एसबीआई ने वाहन ऋण में की कटौती

एसबीआई कार लोन 8.75प्रतिशत से, नए और पुराने ग्राहकों के लिए

क्रेडिट स्कोर, वाहन और टेन्योर पर निर्भर ब्याज

नई दिल्ली 17 दिसंबर. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने नए कार लोन की ब्याज दरों की जानकारी जारी की है. नई दरें 8.75 प्रतिशत से शुरू होकर 14.75 प्रतिशत तक जाती हैं और यह आपके क्रेडिट स्कोर, आय, वाहन का प्रकार और लोन की अवधि पर निर्भर करती हैं. उच्च क्रेडिट स्कोर (750 से अधिक) वाले ग्राहकों को सबसे कम दरें मिल सकती हैं.

इसके अलावा, कार का प्रकार और उम्र भी ब्याज दर तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं. नए मॉडल वाली कारों पर कम दर और पुराने वाहनों पर अधिक दर लागू हो सकती है. एसबीआई का उद्देश्य ग्राहकों को सशक्त और किफायती लोन प्रदान करना है. लंबी अवधि के लोन में कुल ब्याज अधिक लगेगा, जबकि छोटी अवधि के लोन में ईएमआई अधिक होगी. बैंक के साथ मजबूत संबंध और स्थिर आय वाले ग्राहक कम ब्याज दर पर लोन प्राप्त कर सकते हैं. इसके साथ ही, आर्थिक परिस्थितियां जैसे मुद्रास्फीति और बाजार की स्थिति भी ब्याज दरों को प्रभावित करती हैं. इस बदलाव के साथ, नए और मौजूदा दोनों ग्राहकों को कार लोन लेना आसान और आकर्षक विकल्प बन गया है. सही योजना और समय का चुनाव करके ग्राहक अपनी मासिक ईएमआई और कुल ब्याज बोझ को कम कर सकते हैं.

> स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने होम लोन की ब्याज दरों में 0.25प्रतिशत की कटौती की है, जिससे अब लोन लेना और सस्ता हो गया है. अब एसबीआई के होम लोन 7.25प्रतिशत सालाना से शुरू होंगे. यह कदम आरबीआई द्वारा रेपो रेट घटाने के बाद आया है. नई दरें ग्राहकों के क्रेडिट स्कोर, लोन राशि और टेन्योर के आधार पर लागू होंगी. उदाहरण के लिए, 20 साल के 20 लाख रुपये के लोन पर ईएमआई लगभग 310 रुपये घट सकती है. इस कटौती से नए और मौजूदा दोनों ग्राहकों को लाभ मिलेगा, जिससे होम लोन और आकर्षक बन गया है.

एयरटेल पर दूरसंचार विभाग ने लगाया 2.09 लाख का जुर्माना

नयी दिल्ली, 17 दिसंबर. दूरसंचार विभाग ने ग्राहकों के केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) के सत्यापन में लापरवाही के लिए निजी दूरसंचार कंपनी एयरटेल पर 2.09 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. एयरटेल ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे इस संबंध में विभाग से आज ही नोटिस प्राप्त हुआ है. वह जुर्माने के खिलाफ अपील नहीं करेगी और जुर्माना भरेगी.

उसने बताया कि दूरसंचार विभाग ने अक्टूबर महीने के ग्राहकों के आवेदनों का ऑडिट किया था जिसके दौरान केवाईसी के सत्यापन में खामी की बात सामने आयी थी. एयरटेल ने बताया है कि इससे जुर्माने के अतिरिक्त कंपनी पर और किसी प्रकार का असर नहीं होगा.

वैश्विक व्यापार में अग्रणी बनेगा भारत

भारत वैश्विक व्यापार में 25 प्रतिशत लक्ष्य साधे : सीतारमण

नयी दिल्ली, 17 दिसंबर. सीतारमण ने भारत की आर्थिक मजबूती और वैश्विक महत्वाकांक्षा पर जोर दिया वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि भारत आने वाले वर्षों में फिर से वैश्विक व्यापार में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी वाला देश बनने की सोच सकता है.

'इंडिया इकोनॉमिक कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत अपने मजबूत आर्थिक आधार, तेज विकास दर और उद्यमशीलता के बल पर वैश्विक व्यापार में अग्रणी भूमिका निभा सकता है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती को रेखांकित करते बुधवार को कहा कि भारत अपने मजबूत व्यापक आर्थिक आधार, तेज विकास दर और तेजी से बढ़ते उद्यम के बल पर आने वाले वर्षों में फिर से वही देश बनने की सोच सकता है जिसकी कभी वैश्विक व्यापार में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी हुआ करती थी. वित्त मंत्री ने यहां इंडिया इकोनॉमिक कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में बड़ा बदलाव आ रहा है. आयात शुल्क प्रतिबंधों और रणनीतिक बाधाओं के माध्यम से व्यापारिक गतिविधियों को प्रतिबंधित किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि ये घटनाक्रम उभरती हुई और विकसित दोनों तरह की अर्थव्यवस्थाओं के लिए नयी भू-आर्थिक चुनौतियां पेश करते हैं.

> वित्त मंत्री ने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद, भारत अपनी घरेलू ताकतों का लाभ उठाकर वैश्विक अनिश्चितताओं को अवसरों में बदलने के प्रति आश्वस्त है. उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत का विकास स्थिर और जन-केंद्रित रहा है, न कि अल्पकालिक नीतिगत उपायों पर निर्भर रहा है. उठाये गये कदमों पर प्रतिक्रिया दी है, लेकिन अब समय आ गया है कि हम अपनी आकांक्षाओं के अनुरूप का करे. मोदी सरकार और पहले की सरकारों के काम की तुलना करते हुए श्रीमती सीतारमण ने कहा कि ऐसा नहीं है कि पहले कुछ नहीं हुआ, पहले भी बहुत कुछ हुआ, लेकिन वह बिखरा हुआ था.

भारत-ओमान एफटीए से उद्योगों को मिलेगी रफ्तार

मस्कट / नयी दिल्ली, 17 दिसंबर. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, वाहन, रत्न और आभूषण, कृषि रसायन, नवीकरणीय ऊर्जा और वाहनों के कल-पुर्जे बनाने वाले उद्योग जैसे कई क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण अवसर खोलने वाला है जो रोजगार की दृष्टि से अहम हैं.

पीयूष गोयल ने मस्कट में भारत-ओमान व्यावसायिक फोरम की बैठक को संबोधित किया और ओमान के बाजार की रणनीतिक महत्ता बताते हुए कहा कि यह देश खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी), पूर्वी यूरोप, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के प्रवेश द्वार के रूप में है.यहां से भारतीय व्यवसायी के लिए विभिन्न बाजारों में पहुंचना अधिक आसान हो सकता है.पीयूष गोयल ने दोनों देशों के बीच आगामी मुक्त व्यापार समझौते को द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया और कहा कि यह लगभग दो दशकों में ओमान का पहला मुक्त व्यापार समझौता होगा.

पश्चिमी रेलवे : पहला डिजिटल लाउंज और को-वर्किंग स्पेस लॉन्च

मुंबई, 17 दिसम्बर. एक अभूतपूर्व पहल में, पश्चिमी रेलवे के मुंबई डिवीजन के वाणिज्य विभाग ने मुंबई सेंट्रल (एमएमसीटी) रेलवे स्टेशन पर लगभग 1,712 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला अपनी तरह का पहला डिजिटल लाउंज और को-वर्किंग स्पेस लॉन्च किया है. यह सुविधा पश्चिमी रेलवे द्वारा यात्री सुविधाओं के आधुनिकीकरण और स्टेशन के समग्र अनुभव को बेहतर बनाने के निरंतर प्रयासों के अंतर्गत विकसित की गई है.

डिजिटल लाउंज का संचालन टेन 11 हॉस्पिटैलिटी एलएलपी द्वारा अपने प्रीमियम ब्रांड आईएनईजे लाउंज के तहत किया जाता है, जो रेलवे व्यवस्था में पेशेवर आतिथ्य संचालन और समकालीन सेवा मानकों को लाता है. इस अभिनव पहल का उद्देश्य व्यावसायिक यात्रियों, पेशेवरों और दूरस्थ कर्मचारियों को स्टेशन परिसर के भीतर काम, बैठकों और कनेक्टिविटी के लिए सुरक्षित, आरामदायक और तकनीक-सक्षम वातावरण प्रदान करना है. इस परियोजना से पांच वर्षों में लगभग 3.20 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है, जो पश्चिमी रेलवे की गैर-किराया राजस्व पहलों में महत्वपूर्ण योगदान देगा. डिजिटल लाउंज पहल भारतीय रेलवे को भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और लचीले एवं दूरस्थ कार्य संस्कृति के अनुरूप ढालने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. मुंबई सेंट्रल डिजिटल लाउंज का सफल शुभारंभ स्टेशन पुनर्विकास और यात्री-केंद्रित बुनियादी ढांचे के प्रति पश्चिमी रेलवे के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाता है.

> **परिकल्पित सुविधाएं**-डिजिटल लाउंज आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एक सुविचारित वातावरण प्रदान करता है, जिनमें शामिल हैं-
> - हाई-स्पीड वाई-फाई और कई चार्जिंग पॉइंट
> - कुर्सियों, मेजों और सोफे सहित आरामदायक बैठने की व्यवस्था
> - निजी चर्चाओं के लिए समर्पित सम्मेलन और बैठक कक्ष
> - बैठकों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए लचीले स्थान
> - स्वयं-सेवा हल्के जलपान और गैर-मादक पेय पदार्थ
> - व्यक्तिगत उत्पादकता के लिए मॉड्यूलर वर्कस्टेशन
> - उन्नत शौचालय और वॉशरूम सुविधाएं

हुरुन लिस्ट में दीपिंदर गोयल नंबर वन उद्यमी

नई दिल्ली, 17 दिसंबर. भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में एक नया इतिहास रचा गया है. हुरुन इंडिया की नई कंपनी खड़ी करने वाले शीर्ष 200 उद्यमियों की सूची में इस बार इटरनल के संस्थापक दीपिंदर गोयल ने पहला स्थान हासिल किया है.

साल 2000 के बाद अपने दम पर कंपनी बनाने वाले उद्यमियों की इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में गोयल का वैल्यूएशन 27 प्रतिशत बढ़कर 3.2 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है. यह उपलब्धि न सिर्फ उनके कारोबार की मजबूती दिखाती है, बल्कि भारतीय उद्यमिता की बदलती तस्वीर भी पेश करती है. हुरुन इंडिया ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ मिलकर नई कंपनी खड़ी करने वाले शीर्ष 200 भारतीय उद्यमियों की सूची जारी की है, जिसमें इटरनल के संस्थापक दीपिंदर गोयल को पहला स्थान मिला है.

यह पहला मौका है जब गोयल इस सूची में शीर्ष पर पहुंचे हैं. उनका वैल्यूएशन 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. इस सूची में उन उद्यमियों को शामिल किया गया है जिन्होंने वर्ष 2000 के बाद शून्य से अपने कारोबार की नींव रखी.

रुपया मजबूत, शेयर बाजार में गिरावट जारी

नई दिल्ली, 17 दिसंबर. भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही, और सेंसेक्स व निफ्टी एक सप्ताह के निचले स्तर पर बंद हुए. बीएसई सेंसेक्स 120 अंक गिरकर 84,559.65 पर और निफ्टी 41.55 अंक घटकर 25,818.55 पर बंद हुआ. मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक बिकवाली रही.

हालांकि रुपये में 63 पैसे की मजबूती से बाजार में शुरुआती कारोबार में हल्की तेजी देखने को मिली. सरकारी बैंक, आईटी और ऑटो सेक्टर के शेयरों ने बाजार को संभाला, जबकि रसायन, मीडिया और एफएमसीजी सेक्टर दबाव में रहे. निवेशक सतर्क नजर आए और विदेशी निवेशकों की प्रतिक्रिया पर बाजार की चाल निर्भर रही. शेयर बाजार में बुधवार को शुरुआती कारोबार में हल्की तेजी देखने को मिली, लेकिन कारोबार के दौरान बिकवाली हावी हो गई. बीएसई का सेंसेक्स 120.21 अंक (0.14 प्रतिशत) गिरकर 84,559.65 पर और निफ्टी 50 सूचकांक 41.55 अंक (0.16 प्रतिशत) नीचे 25,818.55 पर बंद हुआ.

यह दोनों सूचकांकों का 10 दिसंबर के बाद का निचला स्तर है. मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली अधिक रही, निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.63त्न और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.73 प्रतिशत गिरा.

श्याम धनी इंडस्ट्रीज़ का 22 दिसंबर से खुलेगा आईपीओ

जयपुर, 17 दिसम्बर. श्याम धनी इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 22 दिसंबर को खुलेगा. कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रामावतार अग्रवाल ने मंगलवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में इसकी जानकारी दी.अग्रवाल ने बताया कि कंपनी ने ऊपरी मूल्य बैंड पर 38.49 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा हैं और शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफ़ॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे. उन्होंने बताया कि इश्यू साइज 54 लाख 98 हजार इक्विटी शेयरों का है, जिनका फेस वैल्यू 10 रुपए प्रति शेयर है.

कोयंबटूर के करुण्य विश्वविद्यालय में भव्य क्रिसमस समारोह

कोयंबटूर 17 दिसंबर. कोयंबटूर स्थित करुण्य विश्वविद्यालय में क्रिसमस का भव्य शुभारंभ हुआ. यहाँ क्रिसमस उत्सव आनंद, श्रद्धा और कलात्मक उत्कृष्टता से परिपूर्ण वातावरण में शुरू हुआ. समारोह में भव्यता, रोशनी और जीवंतता का संगम देखने को मिला.

इस उत्सव में वार्षिक धन्यवाद समारोह और मेगाप्ले 2025 का आयोजन किया गया, जो करुणा समुदाय के सामूहिक प्रयासों से साकार हुआ एक विशाल कार्यक्रम था. इस विशाल आयोजन की तैयारियों के लिए 146 गायकों, 13 डबिंग कलाकारों, 77 कोरियोग्राफरों, 89 नर्तकों, 110 अभिनेताओं, 21 संगीतकारों और 147 बैकड्रॉप और प्रॉप कलाकारों की एक प्रभावशाली टीम ने अथक परिश्रम किया. छात्रों और कर्मचारियों ने संस्थापक परिवार का हार्दिक स्वागत किया और इस अवसर को श्रद्धा और उत्सव के साथ मनाया.

कैंपस की भव्यता को बढ़ाते हुए, करुण्य विश्वविद्यालय ने 39 फीट ऊंचे, पूरी तरह से रोशनी से जगमगाते क्रिसमस ट्री का अनावरण किया, जो शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता, सेवा और प्रतिबद्धता के 39 वर्षों का प्रतीक है.

जगमगाता यह वृक्ष आशा और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में खड़ा था, जो क्रिसमस के सच्चे सार को दर्शाता था और छात्रों, कर्मचारियों और आगंतुकों को समान रूप से आकर्षित कर रहा था. शाम को क्रिसमस कोरस ने और भी समृद्ध बनाया, जिनके शानदार प्रदर्शन ने भक्तिमय और उत्सवपूर्ण माहौल बनाया, जिसके बाद मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां हुईं जो क्रिसमस की सच्ची भावना को दर्शाती थीं.

समाचार विशेष

नितिन नबीन से कैसे इंप्रेस हुए मोदी-शाह?

इन 5 वजहों ने बना दिया भाजपा का 'डॉर्क हॉर्स'

नई दिल्ली. बिहार में बीजेपी के युवा चेहरों और युवा मंत्रियों में से एक नितिन नबीन को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है. सियासी पंडित उन्हें अब बीजेपी का 'डॉर्क हॉर्स' भी कह रहे हैं. चर्चा में कई नाम चले लेकिन सबसे बड़ा सवाल उठ रहा है कि बीजेपी ने नितिन नबीन को संगठन का प्रमुख क्यों बनाया? हो यह सवाल शायद आपके मन में भी हो! तो चलिए जानते हैं वो पांच बड़े कारण जिनकी वजह से उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है.

लगातार पांच बार से चुने जा रहे विधायक- नितिन नबीन बीजेपी के विधायक हैं जो 2006 से 2025 तक लगातार चुने गए. पटना का बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र कायस्थों के प्रभुत्व वाला नहीं है, बल्कि यहां विपक्षी आरजेडी और कांग्रेस के समर्थक भी हैं. ये वही वोटर हैं जो चिराग पासवान के समर्थन के बावजूद नितिन नबीन के खिलाफ वोट देते हैं. इसके बावजूद नितिन नबीन ने बांकीपुर सीट पर अपनी पकड़ बनाए रखी.

चुनावी रणनीति के सबसे माहिर खिलाड़ी- बांकीपुर से लगातार जीत दर्ज कर उन्होंने यह भी दिखा दिया कि चुनाव में जीत के लिए रणनीति कैसे बनाई जाती है. इसके अलावा 2020 के चुनावों में उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा और राजनीतिक सनसनी पुष्पम प्रिया चौधरी को हराकर अपनी काबिलियत साबित की.

प्रमोशन नितिन नबीन को मिला, जो बिहार की राजधानी पटना के बांकीपुर से पांचवीं बार विधायक हैं और दूसरी बार मंत्री बने हैं.

नितिन नबीन को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने से राजनीतिक गलियारों चर्चाओं का गुबार छाया हुआ है. हर जगह एक

> **दो बार बनाए गए भाजपा के महासचिव**
> नितिन नबीन ने बीजेपी के राष्ट्रीय युवा मोर्चा के महासचिव के रूप में दो बार काम किया. यह वही रणनीति थी जिसकी चर्चा ऊपर बीजेपी की दूसरी पंक्ति को विकसित करने के लिए की गई थी. संगठन ने नितिन नबीन की काबिलियत को पहले ही पहचान लिया था. हालांकि उन्हें सीधे नेशनल एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट बनाना सही नहीं होता. इसलिए उन्हें दो बार नेशनल लेवल का पद दिया गया. इसके दो कारण थे. पहला यह पक्का करना कि दूसरे पार्टी नेताओं को नेशनल लेवल पर नितिन नबीन की पोजीशन स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट न हो.

लालू के सहारे 'बंगाल फतह' की तैयारी में बीजेपी

चल दिया सबसे बड़ा दांव; ममता का हाल होगा बेहाल!

कोलकाता. बिहार में जीत के बाद बीजेपी ने अब बंगाल फतह का लक्ष्य बनाया है. लेकिन रणनीति वही है. पश्चिम बंगाल बीजेपी द्वारा सोशल मीडिया पर जारी किया गया लेटेस्ट पोस्टर सिर्फ एक ग्राफिक नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी और आक्रामक रणनीति की शुरुआत है.

पोस्टर में एक तरफ बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का आधा चेहरा है, और दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का. उसके ऊपर मोटे अक्षरों में 'बोथ आर सेम' लिखा है. यानी दोनों एक जैसे हैं.

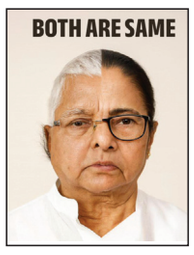

इस तस्वीर का असली मकसद क्या?- इस एक तस्वीर के जरिए बीजेपी बंगाल के वोटरों के मन में वही डर बिठाने की कोशिश कर रही है जो बिहार ने 1990 के दशक में अनुभव किया था. हालिया बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने लालू यादव के शासन को बताने के लिए जंगल राज शब्द का इस्तेमाल करते हुए सत्ता विपक्षी की हार की पटकथा लिख दी थी. भारतीय जनता पार्टी ने अब वही फार्मूला और वही कहानी बंगाल की धरती पर आजमाना शुरू कर दिया है. जिसका संदेश साफ है कि अगर आप ममता बनर्जी को वोट देते हैं, तो आप असल में बंगाल को उसी अराजकता की ओर धकेल रहे हैं जिससे बिहार नीतीश को लाने के बाद बच पाया है.

बिहार चुनाव में कैसे कर दिया खेला?- इस पोस्टर का सार समझने के लिए हमें बिहार की राजनीति पर नजर डालनी होगी. बिहार में चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर अमित शाह तक हर बड़े नेता ने अपनी रैलियों में बार-बार जंगल राज शब्द का इस्तेमाल किया.

हरभजन से कुछ पूछ नहीं सकते केजरीवाल

नई दिल्ली. मशहूर क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह संसद के शीतकालीन सत्र से नदारद हैं. उन्होंने सत्र शुरू होने से पहले सभापति से अनुरोध किया था कि उनको सदन से गैरहाजिर रहने की अनुमति दी जाए क्योंकि उनके पहले से तय कई कार्यक्रम हैं, जिनमें उनको हिस्सा लेना है.

सोचें, एक राज्यसभा सांसद के लिए संसद की अपनी ड्यूटी से ज्यादा जरूरी कौन से काम हैं? दूसरा सवाल यह है कि जब संसद के शीतकालीन सत्र का समय मोटे तौर पर तय होता है तो उस अवधि में हरभजन ने दूसरे किसी काम का कमिटमेंट क्यों किया?

> सोचें, इसी तरह कांग्रेस पार्टी ने क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और अभिनेत्री रेखा को राज्यसभा भेजा था. दौनों ने शायद ही कभी सदन की कार्यवाही में हिस्सा लिया. फिर भी केजरीवाल ने इससे सबक नहीं लिया. उन्होंने हरभजन को राज्यसभा भेजा और वे लगातार गैरहाजिर रहते हैं. सदस्यता बचाने के लिए जितने दिन में एक बार दस्तखत की जरुरत होती है वे उतनी देर के लिए ही संसद में आते हैं.

तीसरा सवाल यह है कि ऐसा क्या कमिटमेंट है कि तीन हफ्ते के सत्र में संसद आने के लिए एक या दो दिन का समय नहीं निकाल सकते हैं?

लेकिन क्या आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ये सवाल हरभजन सिंह से पूछ सकते हैं? वे नहीं पूछ सकते हैं क्योंकि हरभजन का उनकी पार्टी या विचारधारा से कोई लेना देना नहीं है और हरभजन को पता है कि अगली बार उनको राज्यसभा नहीं जाना है. केजरीवाल की मजबूरी ऐसी है कि वे हरभजन से इस्तीफा भी नहीं करा सकते हैं क्योंकि पता नहीं किस कमिटमेंट के तहत उनको राज्यसभा भेजा गया.

विशेष | रामदास आठवले का बड़ा ऐलान, ठाकरे बंधु बड़ी वजह

मनपा चुनाव में महायुति और रिपब्लिकन पार्टी एक साथ

नागपुर. शीत सत्र के दौरान केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास आठवले विधान भवन परिसर पहुंचे. अपने अनोखे अंदाज में उन्होंने ठाकरे बंधुओं पर हमला करते हुए कहा कि 'मी आज विधीमंडळाचा मारलाय फेरफटका, कारण मला द्यायचा आहे ठाकरेबंधूंना झटका (मैं आज विधानभवन इसलिए आया क्योंकि मुझे ठाकरे बंधुओं को झटका देना है).' उन्होंने परिसर में मीडिया से आगामी महानगर पालिका चुनाव महायुति के साथ लड़ने सहित अनेक मुद्दों पर चर्चा की.

उन्होंने कहा कि नागपुर हमारी उपराजधानी है. अधिवेशन नागपुर और विदर्भ के विकास पर चर्चा करने के लिए होता है. रिपब्लिकन पार्टी महायुति में शामिल है. आगामी महानगर पालिका चुनाव में एकत्र चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है.

महायुति के साथ लड़ेंगे चुनाव

- नगर परिषद चुनाव में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़े लेकिन अब मनपा चुनाव में एकत्र आएंगे. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री द्वय एकनाथ शिंदे-अजीत पवार और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के साथ चर्चा हुई है. चर्चा के अनुसार रिपब्लिकन पार्टी 19 महानगर पालिकाओं में साथ में चुनाव लड़ेगी. इसमें पार्टी के उम्मीदवारों को योग्य हिस्सेदारी मिलनी चाहिए.

> **पार्टी ने मांगी सीटें**
> रिपब्लिकन पार्टी की ताकत अनेक शहरों में है. पार्टी ने मुंबई में 15 से 16 और नागपुर में 7 से 8 जगह की मांग की है. राज्य विधि मंडल के दोनों सभागृह में विरोधी पक्ष नेता पद रिक्त होने के मुद्दे पर कहा कि विरोधी पक्ष नेता संख्या बल के आधार पर तय किया जाता है. वर्तमान में महाविकास आघाड़ी के पास संख्या बल नहीं है. इस वजह से विरोधी पक्ष नेता पद का निर्णय अध्यक्ष द्वारा नियमानुरूप करना चाहिए. सभागृह में विरोधी पक्ष नेता होना ही चाहिए. उन्होंने कहा कि विदर्भ पृथक होना चाहिए.